Adobe

Agile और Waterfall को मिलाना

हाइब्रिड अप्रोच से कैसे ज़्यादा काम करवाएँ.

विषय सूची

Agile मॉडल से फ़्लेक्सिबल बने रहना. 4

Agile का इस्तेमाल कब करें. 5

Waterfall मॉडल से टास्क पर टिके रहना. 7

Waterfall का इस्तेमाल कब करें. 8

Agile और Waterfall को मिलाना. 10

मिक्स्ड-मेथडॉलजी अप्रोच के लाभ. 11

मदद के लिए सॉल्यूशन्स. 12

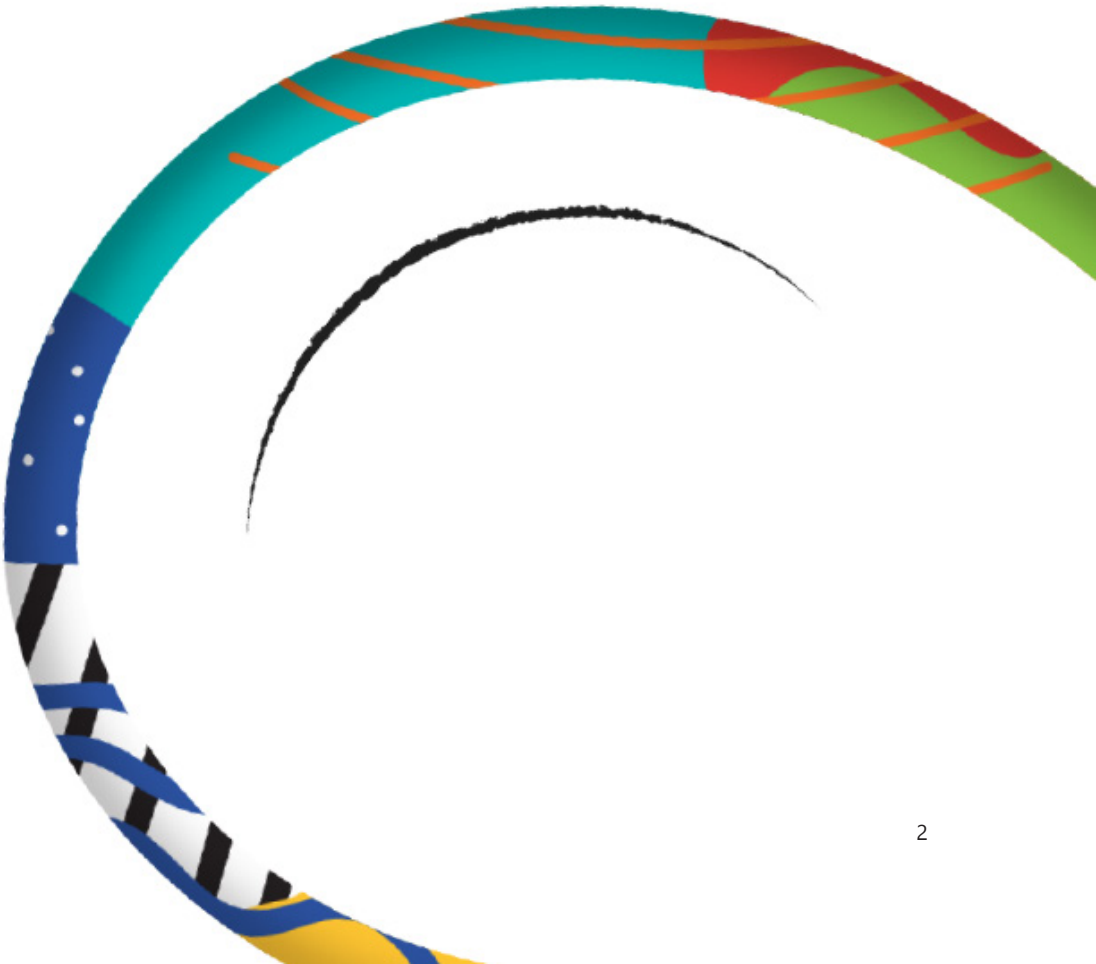

काम शिफ़्ट हो रहा है. बिज़नेसेज़, टीम साइलोज़ को पाटने वाले, कोलैबोरेशन बढ़ाने वाले और स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स और वैल्यू स्ट्रीम्स में विज़िबिलिटी देने वाले सॉल्यूशन्स में इनवेस्ट कर रहे हैं. एफ़िशिएंसी और प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए, ऑर्गनाइज़ेशन्स लेटेस्ट ऑपरेशनल फ़िलोस्फ़ीज़ और वर्क मेथडॉलजीज़ अपना रहे हैं. कुछ टीम्स के लिए, इसका मतलब Agile अप्रोच है, दूसरों के लिए Waterfall या कोई अन्य फ़्रेमवर्क बेहतरीन है. पसंद चाहे कुछ भी हो, यह साफ़ है कि एंटरप्राइजेज को अब बेहद अलग-अलग वर्क स्टाइल्स वाली टीम्स को एक साथ मैनेज करने के चैलेंज का सामना करना पड़ रहा है. हाइब्रिड Agile एनवायरनमेंट यहाँ मौजूद है और इस गाइड से आपको इस मिक्स्ड-मेथडॉलजी लैंडस्केप में नेविगेट करने में मदद मिलेगी.

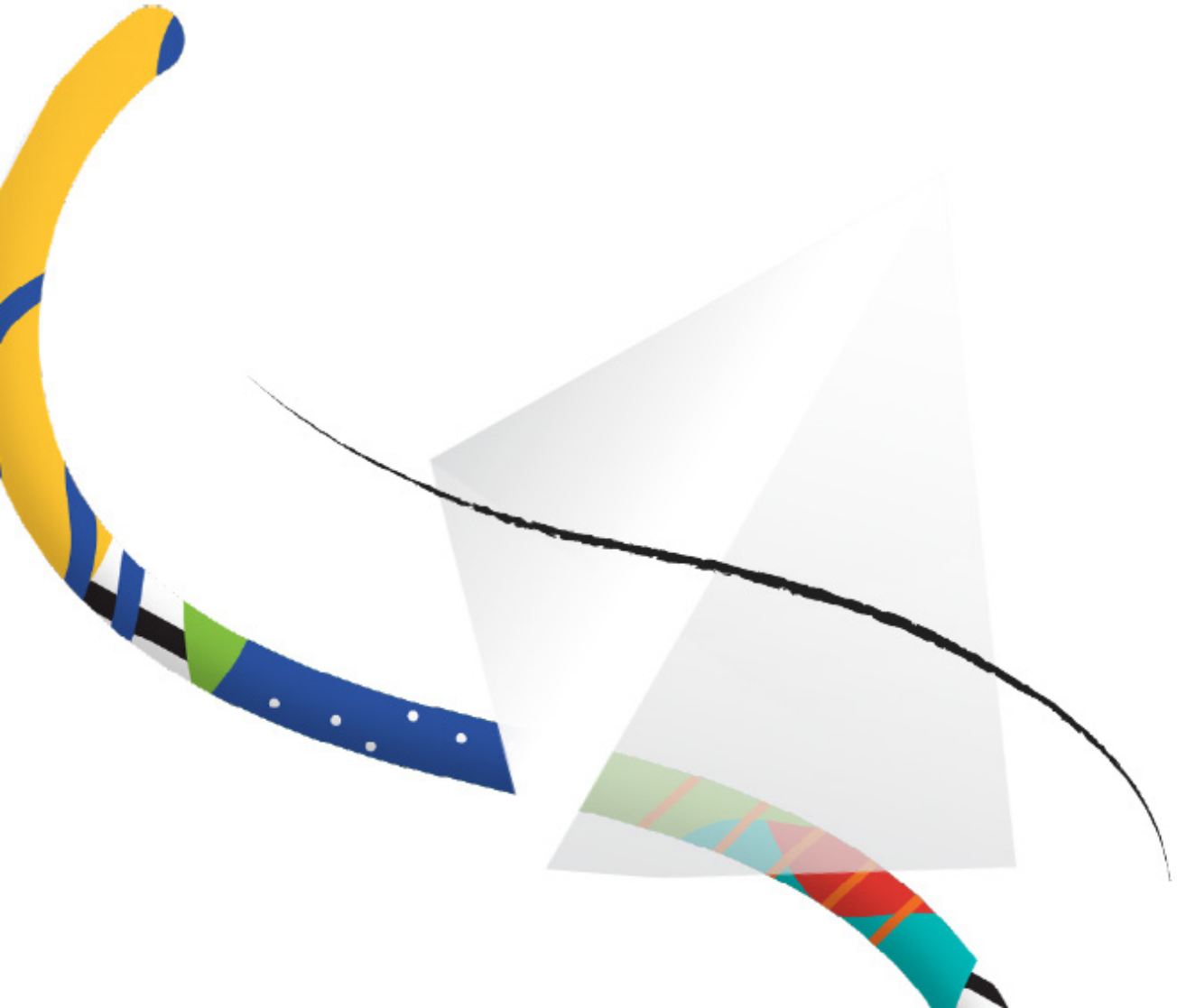

Agile मॉडल से फ़्लेक्सिबल बने रहना.

Agile मेथडॉलजी दोहराव वाली कोशिश का इस्तेमाल करके फ़्लेक्सिबल, तेज़ प्रोग्रेस को बढ़ावा देती है—जिसमें कस्टमर की ज़रूरतें पूरी करने के लिए बीच में ही प्रोजे-क्ट के कुछ भाग डिलीवर किए जाते हैं. यह मेथडॉलजी बड़े टास्क्स को छोटे भागों में बाँटती है जिन्हें स्पेसिफ़िक टाइम फ़्रेम्स में पूरा किया जाना होता है. Agile टीम का आम टाइमबॉक्स (जिसे स्प्रिंट या दोहराव के रूप में जाना जाता है) एक से चार हफ़्ते तक चलता है और इसमें हर टीम मेंबर समानांतर रूप से कन्ट्रिब्यूट कर सकता है. हर टाइमबॉक्स के आखिर में, टीम टेस्ट किए गए, वर्किंग कॉन्सेप्ट, कॉन्टेंट, कैंपेन या प्रोडक्ट डिलीवर करती है. प्रोजेक्ट को छोटे-छोटे भागों में साझा करने से कस्टमर लगातार फ़ीडबैक दे पाता है जिससे ज़्यादा क्वालिटी वाले डिलीवरेबल की संभावना बढ़ जाती है.

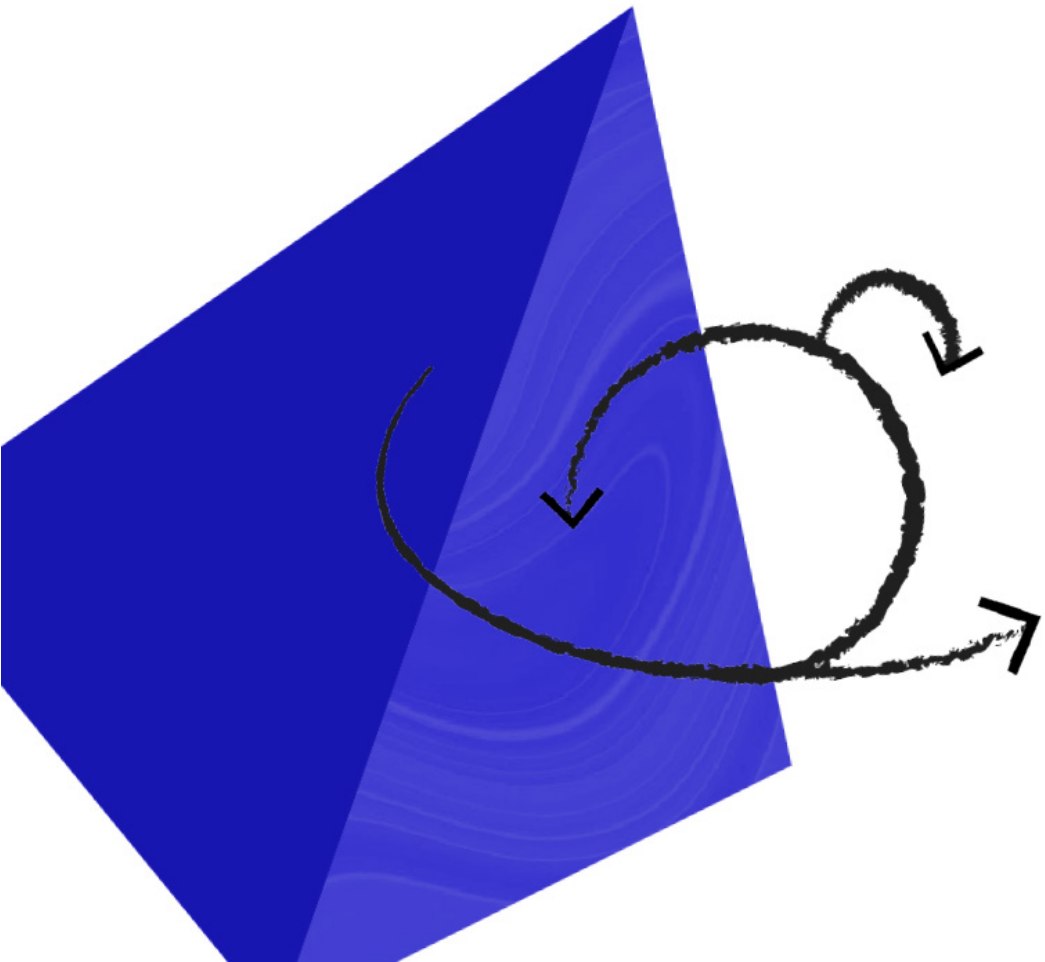

Agile का इस्तेमाल कब करें.

Agile मेथडॉलजी ऐसे प्रोजेक्ट्स के लिए सबसे ज़्यादा मुनासिब है जिनमें पूरे विवरण के मुकाबले स्पीड की ज़्यादा ज़रूरत है और जिसमें टीम्स खुद को खुद ही ऑर्गनाइज़ कर पाएँ. Agile इंडिपेंडेंट वर्कस के बीच कोलैबोरेशन को सपोर्ट करता है और इससे क्लायंट्स के लिए प्रोजेक्ट ज़रूरतों को बदलना आसान हो जाता है.

Agile के 12 प्रिंसिपल्स.

Agile को मूल रूप से हालाँकि सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट के लिए डेवलप किया गया था, फिर भी इन 12 प्रिंसिपल्स को क्रिएटिव प्रोडक्शन, मार्केटिंग, शेयर्ड सर्विसेज़ आदि पर आसानी से अप्लाई किया जा सकता है.

1. लगातार सॉफ़्टवेयर डिलीवरी के ज़रिए कस्टमर्स को सैटिस्फ़ाई करें
2. बदलती उम्मीदों और ज़रूरतों का स्वागत करें
3. बार-बार वर्किंग सॉफ़्टवेयर डिलीवर करें
4. बिज़नेस से जुड़े लोगों और डेवलपर्स के बीच रोज़ाना कम्यूनिकेशन को बढ़ावा दें
5. लोगों पर काम पूरा करने के लिए भरोसा करें
6. आमने-सामने कोलैबोरेशन के साथ टीम के रूप में कम्यूनिकेट करें
7. वर्किंग सॉफ़्टवेयर से प्रोग्रेस को मापें
8. डेवलपमेंट की लगातार रफ़्तार बरकरार रखें
9. सही डिज़ाइन प्रैक्टिसेज़ और टेक्निकल एक्सीलेंस पर ज़ोर दें
10. इसे सरल रखें
11. बेहतर प्रोडक्टिविटी के लिए टीम्स को खुद को ऑर्गनाइज़ करने दें
12. प्रोसेस को ज़रूरत के अनुसार अडैप्ट करें

Agile के लाभ और नुकसान.

लाभ	नुकसान
दोहराएँ और सीखें. टीम्स पर परफ़ेक्ट होने का प्रेशर नहीं होता. कस्टमर की उम्मीदें पूरी करने वाले हाई-क्वालिटी डिलीवरेबल को डिलीवर करने के लिए वे साइकल्स में काम कर सकती हैं.	**तयशुदा शेड्यूल की उम्मीद न रखें.** Agile प्रोजेक्ट्स सख्त शेड्यूल के साथ शुरू नहीं होते हैं. हालाँकि इसमें तेज़ ट्राज़िशन्स किए जा सकते हैं, लेकिन जब कस्टमर्स को सख्त डेडलाइन में स्पेसिफ़िक डिलीवरेबल की ज़रूरत होती है, तब यह काम नहीं करता है.
फिर से विज़िट करें, फिर से विज़िट करें, फिर से विज़िट करें. टीम्स स्टेप्स को फिर से विज़िट कर सकती हैं और ज़रूरत के अनुसार फिर से लिख सकती हैं. मनचाहे रिज़ल्ट्स हासिल करने के लिए कस्टमर डिलीवरी टीम के साथ डायलॉग बरकरार रख सकता है.	**कभी भी आउटकम से अटैच न हों.** प्रोजेक्ट की उम्मीदें बदल सकती हैं. यह एजिलिटी की ज़रूरत वाले प्रोजेक्ट्स के लिए कारगर है लेकिन ऑर्गनाइज़ेशन के अन्य क्षेत्रों में इससे दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं.
इसे बाहर निकालें, इसे टेस्ट करें. प्रोजेक्ट को मैनेज करने लायक टास्क्स में बाँटा जाता है जिनमें डिलीवरेबल्स को बनाने और टेस्ट करने पर खास ध्यान दिया जाता है. बार-बार टेस्ट करने से ज़्यादा तेज़ डिलीवरी और बेहतर प्रोडक्ट को बढ़ावा मिलता है.	**दूसरों पर भरोसा करने में सहज रहें.** Agile प्रिंसिपल्स अच्छे, भरोसेमंद टीम मेंबर्स को नौकरी पर रखने पर आधारित हैं। मैनेजमेंट या डेवलपमेंट लिंक के नतीजे में काम अधूरा रह सकता है या समय और पैसे की बर्बादी हो सकती है.
कस्टमर पर फ़ोकस रखें. स्वीकृति क्राइटेरिया का इस्तेमाल करके, टीम समझती है कि कस्टमर क्या चाहता है. बार-बार डिलीवरी ज़्यादा पैसे या घंटे खर्च किए बिना प्रोजेक्ट की दिशा में होने वाले अचानक बदलावों से निपटती है.	**काम को मापने लायक मेट्रिक्स में बदलें.** Agile टीम्स अकसर स्प्रिंट्स और प्वाइंट्स के संबंध में बात करती हैं. तारीखों और पैसे में बदलने वाली लीडरशिप ज़रूरतें.

Waterfall मॉडल से टास्क पर टिके रहना.

Waterfall अभी भी व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाला प्रोजेक्ट मैनेजमेंट स्टाइल है. यह टॉप-डाउन, क्लासिक अप्रोच: कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफ़ैक्चरिंग और दोहराव वाली सर्विसेज़ और प्रोडक्ट्स जैसे कुछ क्षेत्रों में अच्छा काम करती है.

Waterfall मेथडॉलजी का मूल, उम्मीदों का ऐसा डिटेल्ड सेट है जो शुरू से आखिर तक शेड्यूल्ड होता है और यह फ़ाइनल रिज़ॉल्यूशन के लिए क्रमिक रूप से एग्ज़िक्यूट होता है. Waterfall डेडलाइन्स और रिकॉर्ड-कीपिंग से संबंधित है. इसके एक स्टेप से दूसरे स्टेप में जाने में डेविएशन के लिए बहुत कम जगह होती है. अगर एक स्टेप रुकता है. तो इससे प्रोजेक्ट में जुड़ने वाली लागतों और समय से पूरे ऑपरेशन की कामयाबी खतरे में पड़ सकती है. Waterfall निर्भरताओं पर बनाया गया है—मतलब स्टेप B के शुरू होने से पहले स्टेप A पूरा करना होगा.

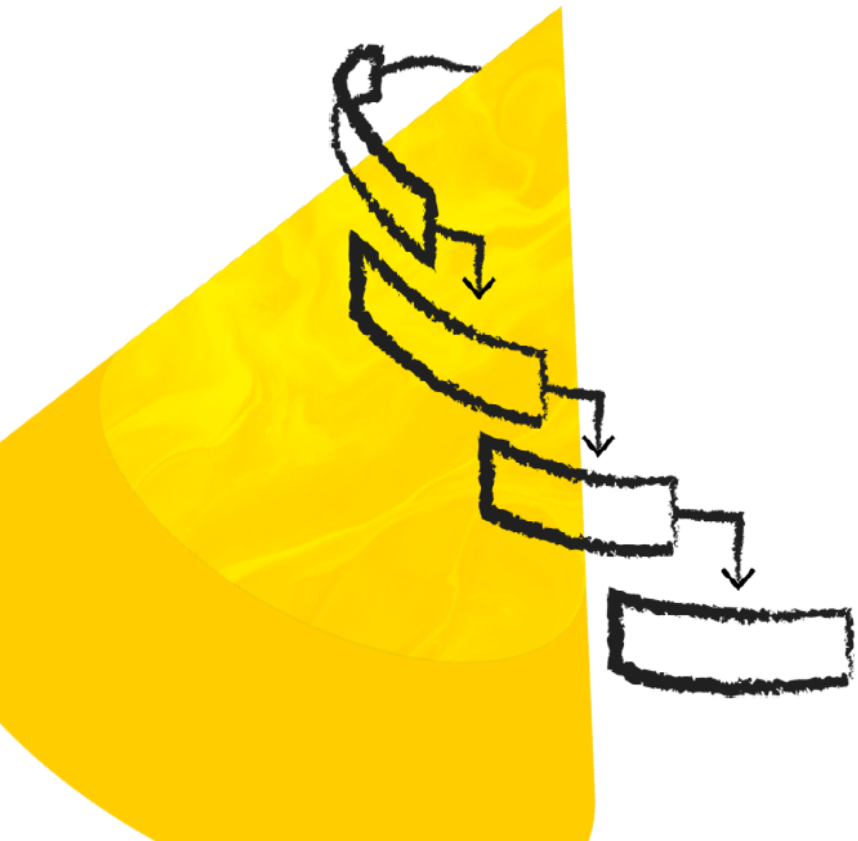

Waterfall का इस्तेमाल कब करें.

यह सख्त, डेडलाइन-ड्रिवन मेथडॉलजी ऐसे प्रोजेक्ट्स के लिए बेहतरीन है जिनमें फ़ाइनल प्रोडक्ट की साफ़ तस्वीर होती है और जो अगला टास्क शुरू होने से पहले खास टास्क्स के पूरा होने पर निर्भर होते हैं. यह तभी कारगर है जब क्लायंट्स प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद इसके स्कोप में बदलाव करने की उम्मीद नहीं रखते हैं. क्लायंट को डिलीवरेबल्स जेनरेट होते ही दिए जाने के बजाय तब दिए जाते हैं जब वे पूरे हो जाते हैं.

Waterfall का इस्तेमाल अकसर मैनेजमेंट लेवल पर तब किया जाता है जब लीडरशिप इनिशिएटिव्स की ज़िम्मेदारी लेती है और उसे शुरू से आखिर तक विज़िबिलिटी की ज़रूरत होती है. इस अप्रोच से मैनेजमेंट को तारीखों और पैसों के संबंध में प्रोग्रेस देखने की सुविधा मिलती है और उन्हें यह समझने में मदद मिलती है कि नए प्रोजेक्ट्स और प्राइऑरिटीज़ रिसोर्सेज़, शुरुआत करने की तारीखों, डेडलाइन्स आदि पर कैसे असर डाल सकते हैं.

Waterfall के फ़ेजेज़.

आज के कामकाजी माहौल में, वर्क ग्रुप्स से ऑर्गनाइज़ेशन के बाकी हिस्सों से मैच करने के लिए Waterfall अप्रोच को फॉलो करने के लिए कहा जा सकता है. नॉलेज से जुड़े वर्कर्स को खास स्टेप्स फॉलो करने होंगे. जब भी कोई फेज़ खत्म होता है, तब यह अगले फेज़ की शुरुआत को ट्रिगर करता है. फेज़ेज़ ये हैं:

1. अपेक्षाएँ
2. डिज़ाइन करना.
3. इंप्लीमेंटेशन
4. टेस्टिंग
5. डिप्लॉयमेंट
6. मेंटेनेंस

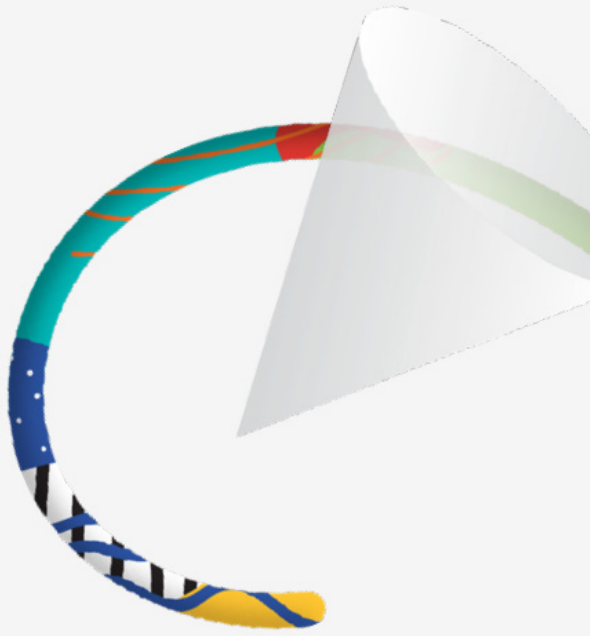

Waterfall के लाभ और नुकसान.

लाभ	नुकसान
यह सब डिटेल से जुड़ा है. Waterfall का सबसे बड़ा लाभ इसकी सटीक तैयारी है जिसके नतीजे में डिटेल्ड प्रोजेक्ट प्लान मिल पाता है. प्रोजेक्ट नोट्स रखने से भविष्य के प्रोजेक्ट्स में लाभ होता है.	**वापस जाने के बारे में न सोचें.** Waterfall ऐसे सख्त ब्लूप्रिंट को फॉलो करता है जिससे ऑरिजिनल प्लान से हटना मुश्किल हो जाता है. अगर शुरुआती ज़रूरतें खराब हों या एग्ज़िक्यूशन आगे बढ़ने पर असलियत न दिखाती हों, तो टीम को दोबारा शुरुआत करनी पड़ सकती है.
आप जो चाहते हैं, आपको वही मिलता है. क्लायंट्स जानते हैं कि प्रोजेक्ट के आखिर में क्या डिलीवर किया जाएगा. प्रोजेक्ट का साइज़, लागत और टाइमलाइन साफ-साफ आउटलाइन किए जाते हैं और इन्हें पहले प्रोजेक्ट स्टेप्स असाइन किए जाने से पहले ही कस्टमर को डिलीवर किया जाता है.	**टेस्टिंग के लिए आखिर तक इंतज़ार करें.** Waterfall प्रोजेक्ट में कॉन्सेप्ट्स का टेस्ट किया जाना आखिर में पूरा किया जाता है. जैसे ही डिलीवरेबल्स पूरे होते हैं, वैसे ही उन्हें फ़ाइनल QA के लिए अलग रखा जाता है—जो बहुत अधिक समय का बजट बनाने वाला फ़ेज़ है.
दिल थामने की ज़रूरत नहीं. डॉक्युमेंटेशन और उम्मीदें इतनी साफ़ हैं कि डिलीवरी टीम अगर फेरबदल से भी गुजरती है, तो भी प्रोजेक्ट को एक-दूसरे को सौंपा जाना सीमलेस रहता है. टीम का नया मेंबर टाइमलाइन को पटरी से उतारे बिना शामिल हो सकता है और कंट्रिब्यूट कर सकता है.	**प्लान पर टिके रहें.** प्रोजेक्ट के जारी होने के दौरान क्लायंट की ज़रूरतें इवॉल्व हो सकती हैं. Waterfall प्रोजेक्ट से, सख्त स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस के कारण उभरती ज़रूरतों पर ध्यान देना मुमकिन नहीं हो पाता है.

Agile और Waterfall को मिलाना.

ज़्यादातर ऑर्गनाइज़ेशन्स का मानना है कि यह एक मेथडॉलजी के दूसरी मेथडॉलजी से बेहतर होने का सवाल नहीं है—Agile और Waterfall दोनों ही बेहतरीन लाभ ऑफ़र करते हैं और इन्हें कामयाबी से एक साथ इस्तेमाल किया जा सकता है. कुछ प्रोजेक्ट्स में Waterfall मॉडल की सख्ती के साथ Agile अप्रोच की रिस्पॉन्सिवनेस की ज़रूरत होती है. और करीब-करीब सभी एंटरप्राइज़ेज़ में दोनों मेथडॉलजीज़ के हिस्सों के साथ-साथ अन्य वर्क स्टाइल्स और फ़्रेमवर्क के वेरिएशन्स होते हैं. दोनों को मिलाने जाने पर, कम्यूनिकेशन और सही से डिफ़ाइन की गईं उम्मीदें पॉज़िटिव आउटकम्स देती हैं.

44% प्रोजेक्ट लीडर्स का कहना है कि उन्हें Agile और Waterfall मेथडॉलजीज़ के मिलाने को सपोर्ट करना होगा.

सोर्स: Adobe Workfront

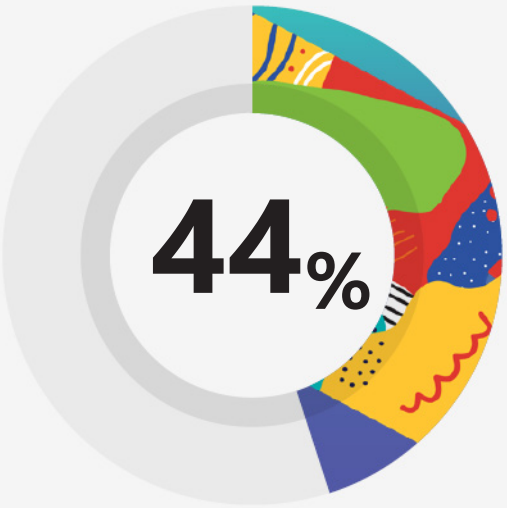

मिक्स्ड-मेथडॉलजी अप्रोच के लाभ.

मेथडॉलजीज़ मिलाने का मतलब यह नहीं है कि एक मेथडॉलजी को दूसरी मेथडॉलजी में ज़बरदस्ती घुसेड़ दिया जाए या किसी एक ग्रुप को ऐसा सॉल्यूशन अपनाने के लिए मज़बूर किया जाए जो उनके लिए कारगर न हो. बढ़िया तरीके से मिलाए जाने पर विज़िबिलिटी और प्रोडक्टिविटी बढ़ने से सभी ग्रुप्स और पूरे बिज़नेस का लाभ होना चाहिए.

बढ़ी हुई विज़िबिलिटी

सही प्लानिंग, ट्रेनिंग और बेंचमार्क्स के साथ, मेथडॉलजीज़ को मिलाने से इस बारे में पूरी विज़िबिलिटी मिलती है कि कौन-सा काम कतार में है, कौन-सा काम प्रोग्रैस में है और कौन-सा काम भविष्य में पूरा होगा.

बढ़ी हुई प्रोडक्टिविटी

सॉफ्टवेयर टीम्स, क्रिएटिव टीम्स और अन्य लोग प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए Agile को चुन सकते हैं वहीं प्रोजेक्ट कंट्रोल और प्लान्ड डेडलाइन्स और निर्भरताओं की एंड-टू-एंड विज़िबिलिटी के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर्स Waterfall को चुन सकते हैं. टीम्स को उनकी वर्क मेथडॉलजी चुनने की इजाज़त देने से प्रोडक्टिविटी बढ़ती है.

मदद के लिए सॉल्यूशन्स.

सही वर्क मैनेजमेंट सॉल्यूशन से टीम्स अपनी पसंदीदा मेथडॉलजी में काम कर पाती हैं और यह पूरे एंटरप्राइज़ में ट्रांसपेरेंसी को सपोर्ट करता है. Agile टीम के डेटा को Waterfall, जैसे डैशबोर्ड्स में शुरू करने, सभी टीम्स, सभी कामों और सभी मेथडॉलजीज़ की प्रोग्रैस के बारे में रिपोर्टिंग का काम टेक्नोलॉजी पर छोड़ दें. यूनिफ़ाइड रिपोर्टिंग केडन्स और मेट्रिक्स के कॉमन सेट से सही कम्यूनिकेशन हो पाता है और बिज़नेस के दोनों पक्ष बेहतर तरीके से कनेक्ट होते हैं. और बेस्ट-इन-क्लास वर्क मैनेजमेंट सॉल्यूशन से ऐसा करना मुमकिन होता है.

एक के लिए कारगर चीज़, सभी के लिए कारगर रहती है.

आपको डिपार्टमेंट्स को दूर करने वाले और रिपोर्टिंग मुश्किलें पैदा करने वाले एक-दूसरे से अलग मेथडॉलजी के रास्ते पर नहीं चलना है. सही टेक्नोलॉजी से, मेथडॉलजीस को आउट-ऑफ़-द-बॉक्स मिलाना आसान है. आपके पास Agile वर्क और Waterfall प्रोजेक्ट्स, दोनों में साफ़ दृष्टि होगी जिससे आपके ऑर्गनाइज़ेशन के लिए अपने काम की वैल्यू को साबित करना आसान हो जाएगा.

Adobe Workfront

आप चाहे कैसे भी काम करें, Workfront मदद कर सकता है.

Adobe Workfront एंटरप्राइज़ वर्क मैनेजमेंट के लिए ऐसा एप्लिकेशन प्लेटफ़ॉर्म है जिससे आपको Agile, Waterfall और आपकी टीम्स के लिए बेहतरीन अन्य वर्क स्टाइल्स के मिलाए जाने को मैनेज करने में मदद मिल सकती है.

Workfront से, आपका ऑर्गनाइज़ेशन इन सबका लाभ उठा सकता है:

- सीधे आउट ऑफ द बॉक्स Agile और Waterfall, दोनों के लिए सपोर्ट
- इन्ट्यूटिव, स्केलेबल एप्लिकेशन
- काम के कॉन्टेक्स्ट में कोलैबोरेशन
- सभी तरह के काम में रियल-टाइम विज़िबिलिटी
- कस्टमाइज़ की गई रिपोर्ट्स और डैशबोर्ड्स
- प्रोजेक्ट्स, अप्रूवल्स और प्रोसेसेज़ के लिए ऑटोमेशन

मेथडॉलजीज़ को सहजता से मिलाने में Workfront कैसे आपकी मदद कर सकता है, इस बारे में ज़्यादा जानने के लिए कि इसे एक्शन में देखें.

टूर करें

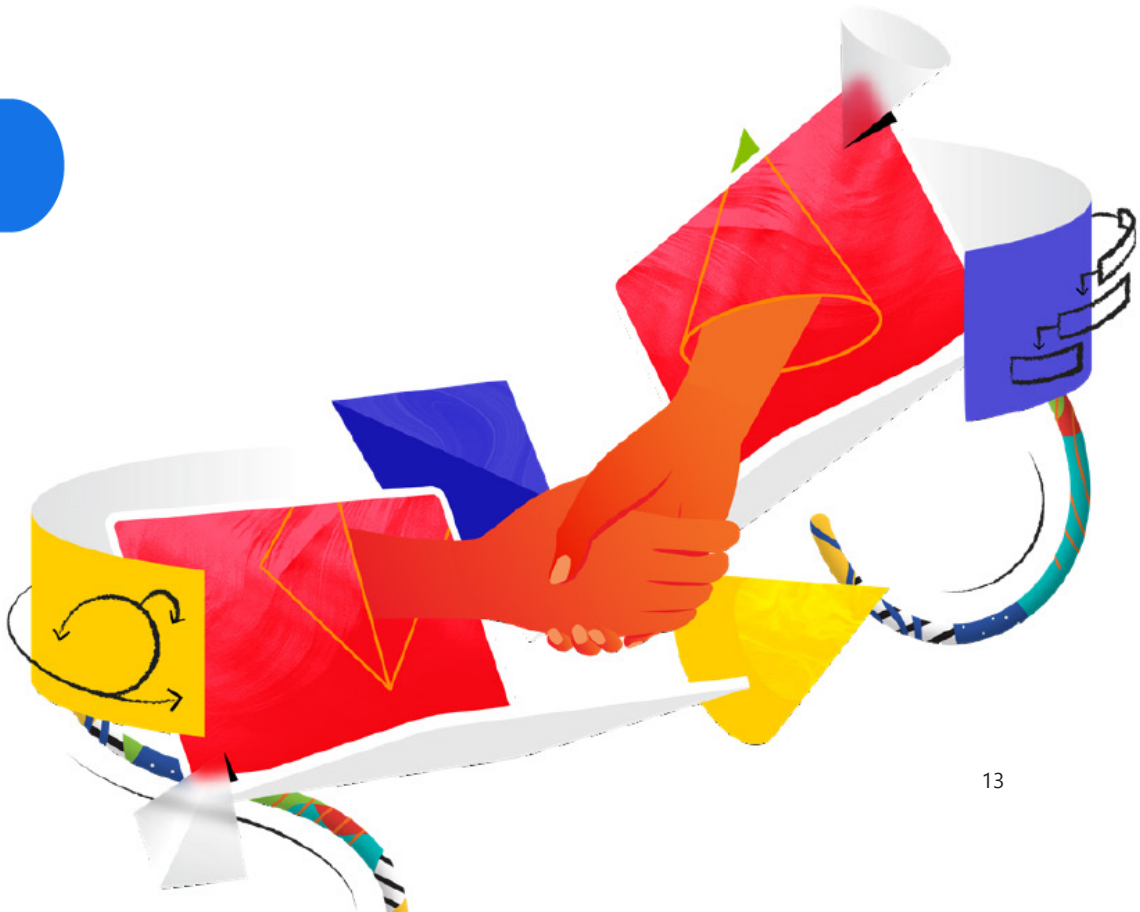

सोर्सेज़

"Agile मैनिफ़ेस्टो के पीछे 12 प्रिंसिपल्स," Agile Alliance, J26 जुलाई 2021.

"Adobe वर्कफ़्रंट सर्वे: प्रोजेक्ट्स को मैनेज करने के लिए आप मुख्य रूप से किस मेथडॉलजी का इस्तेमाल करते हैं?" Adobe Workfront, जनवरी 2014.

कॉपीराइट © 2021 Adobe. सभी राइट्स रिज़र्व्ड हैं। Adobe, Adobe लोगो और Adobe Workfront या तो अमेरिका और/या अन्य देशों में Adobe के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क्स या ट्रेडमार्क्स हैं.